DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

19March, 2024

राज्य पर्यावरण निकायों के लिए स्टार रेटिंग

संदर्भ: *पर्यावरण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) को दिए गए जबाव से पता चला है कि पर्यावरण मंजूरी देने में राज्यों की दक्षता का आकलन करने के लिए स्टार रेटिंग प्रणाली की योजना को क्रियान्वित नहीं किया गया है।*

➢ **स्टार-रेटिंग प्रणाली की शुरूआत:**

- मंत्रालय ने जनवरी 2022 में स्टार-रेटिंग प्रणाली की शुरुआत की थी।
- इस प्रणाली को मछुआरों के अधिकारों की वकालत करने वाले तमिलनाडु स्थित संगठन मीनावा थानथाई के आर सेल्वराज कुमार मीनावर नाला संगम द्वारा एनजीटी में चुनौती दी गई थी।

➢ **योजना के उद्देश्य:**

- इसका मुख्य उद्देश्य भारत में व्यापार करने में आसानी को बढ़ाना है।
- यह पहल वर्ष 2021 में आयोजित कैबिनेट सचिवों की बैठक के दौरान तैयार की गई थी।
- इसका मुख्य लक्ष्य देश भर में पर्यावरण मंजूरी प्रक्रिया को तेज और सरल बनाना है।

➢ **मूल्यांकन मानदंड:**

- इसमें तीस दिनों से अधिक समय से लंबित प्रस्तावों का मूल्यांकन किया जाता है।
- इसके अतिरिक्त, मूल्यांकन में 30 दिनों से अधिक समय से लंबित संदर्भ शर्तों के प्रस्तावों पर विचार भी किया जाता।
- यह प्रणाली पिछले छह महीनों के भीतर निपटाए गए नए संदर्भ शर्तों के प्रतिशत का मापन करती है।
- इस मूल्यांकन में 105 दिनों से अधिक समय से लंबित पर्यावरण मंजूरी की संख्या पर भी ध्यान दिया जाता है।
- शिकायतों के पुनर्मूल्यांकन को भी मूल्यांकन मानदंडों में शामिल किया जाता।
- मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान अधिकारियों द्वारा किए गए साइट विज़िट की संख्या को भी ध्यान में रखा जाता है।

➢ **स्टार-रेटिंग प्रणाली कार्यान्वयन विवरण:**

- नवंबर 2021 में कैबिनेट सचिव राजीव गौबा की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद स्टार रैंकिंग प्रणाली की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य 'व्यापार करने में आसानी' को बढ़ावा देना था।
- SEIAA विशेषज्ञ, मूल्यांकन समितियों की सिफारिशों के आधार पर मंजूरी देते हैं, जो महत्वपूर्ण पर्यावरणीय प्रभावों वाले परियोजना प्रस्तावों का मूल्यांकन करते हैं।
- स्टार-रेटिंग प्रणाली के तहत, SEIAA मंजूरी समय-सीमा के आधार पर 0 से 7 के पैमाने पर अंक अर्जित करते हैं:
- 80 दिनों से कम समय में दी गई मंजूरी के लिए दो अंक।
- 80 से 105 दिनों के बीच मंजूरी के लिए एक अंक।
- 105 से 120 दिनों के बीच मंजूरी के लिए 0.5 अंक।
- यदि मंजूरी में 120 दिनों से अधिक समय लगता है तो शून्य अंक।

➢ **यह ईआईए को कैसे बाधित करता है?**

- राज्य समितियों के भीतर अपर्याप्त स्वतंत्र पर्यावरण विशेषज्ञ वर्तमान में निर्णय लेने का काम नौकरशाहों पर छोड़ देते हैं, जो संभावित रूप से आर्थिक लाभ के लिए पर्यावरण संबंधी समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं।
- पर्यावरण पर वन के लिए कानूनी पहल (LIFE), पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम के उल्लंघन का हवाला देते हुए इस योजना का विरोध करती है।
- यह प्रस्ताव राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरणों (SEIAAs) को रबर स्टैम्प प्राधिकरणों में बदल देता है, जिससे विस्तृत जांच के लिए उनके जनादेश को कमजोर किया जाता है।
- यह पर्यावरण संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण नियामक निगरानी को कमजोर करता है, जैसा कि जीवन के अधिकार की रक्षा करने वाले उच्चतम न्यायालय के निर्णयों में स्पष्ट किया गया है।
- इस प्रणाली के कार्यान्वयन से परियोजनाओं की मंजूरी में तेजी लाने के लिए राज्यों के बीच अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलने का जोखिम है, जो संभावित रूप से संपूर्ण पर्यावरणीय आकलन से समझौता करता है।

ट्रेडमार्क अधिनियम, 1999

संदर्भ: *दिल्ली उच्च न्यायालय ने मोहम्मद अकरम खान के "डोलमा आंटी मोमोज" के ट्रेडमार्क पंजीकरण को रद्द कर दिया, क्योंकि डोलमा त्सेरिंग ने इसके अनधिकृत उपयोग पर आपत्ति जताई थी।*

➢ **ट्रेडमार्क:**

- ट्रेडमार्क, चाहे वह प्रतीक हो, डिज़ाइन हो, शब्द हो या वाक्यांश हो, किसी व्यवसाय के लिए एक विशिष्ट पहचानकर्ता के रूप में कार्य करता है।
- ट्रेडमार्क पंजीकृत करने से उसके स्वामी को उसके उपयोग के अनन्य अधिकार प्राप्त होते हैं।
- ट्रेडमार्क अधिनियम 1999 भारत में ट्रेडमार्क और उनके पंजीकरण को नियंत्रित करता है, जिसकी देखरेख पेटेंट, डिज़ाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक द्वारा की जाती है।
- **वर्ष** 1999 के अधिनियम की धारा 25 में यह प्रावधान है कि पंजीकृत ट्रेडमार्क 10 वर्षों तक वैध रहता है और स्वामी द्वारा समय-समय पर इसका नवीनीकरण किया जा सकता है।
- पंजीकृत ट्रेडमार्क का अनधिकृत उपयोग उल्लंघन माना जाता है, जैसा कि समान वस्तुओं या सेवाओं के लिए काफी हद तक समान चिह्न का उपयोग करना भी माना जाता है।
- ट्रेडमार्क उल्लंघन विभिन्न तरीकों से हो सकता है, जैसा कि डोलमा आंटी केस जैसे मामलों से स्पष्ट हुआ है।

➢ **1940 से पहले ट्रेडमार्क कानून:**

- **वर्ष** 1940 से पहले, भारत में विशिष्ट ट्रेडमार्क कानून का अभाव था।
- ट्रेडमार्क उल्लंघन के मुद्दों को विशिष्ट राहत अधिनियम, 1877 की धारा 54 के तहत संबोधित किया गया था, और पंजीकरण का निर्णय भारतीय पंजीकरण अधिनियम, 1908 के तहत किया गया था।

➢ **ट्रेडमार्क और व्यापारिक वस्तु अधिनियम, 1958:**

- ट्रेडमार्क और व्यापारिक वस्तु अधिनियम, 1958 ने पिछले कानून को प्रतिस्थापित किया है।
- इसका उद्देश्य व्यापारिक वस्तुओं पर चिह्नों के धोखाधड़ीपूर्ण उपयोग के विरुद्ध बेहतर सुरक्षा प्रदान करना तथा विशिष्ट उपयोग के लिए ट्रेडमार्क पंजीकरण की सुविधा प्रदान करना था।

➢ **ट्रेडमार्क अधिनियम, 1999**

- भारत सरकार ने 1958 के अधिनियम को ट्रेडमार्क अधिनियम, 1999 से प्रतिस्थापित किया।
- यह परिवर्तन विश्व व्यापार संगठन द्वारा अनुशंसित ट्रिप्स दायित्वों के अनुरूप है।
- ट्रेडमार्क अधिनियम, 1999 का उद्देश्य ट्रेडमार्क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा करना और संपत्ति की स्थितियों को विनियमित करना है।
- यह ट्रेडमार्क अधिकारों को लागू करने के लिए कानूनी उपाय प्रदान करता है।
- ट्रेडमार्क अधिनियम, 1999 अधिकारियों को ट्रेडमार्क उल्लंघन में शामिल व्यक्तियों को गिरफ्तार करने का अधिकार देता है।
- यह अधिनियम अपराधियों के लिए दंड और दंड निर्दिष्ट करता है।
- यह अधिनियम पंजीकरण अवधि बढ़ाता है और गैर-पारंपरिक ट्रेडमार्क के पंजीकरण की अनुमति देता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

19March, 2024

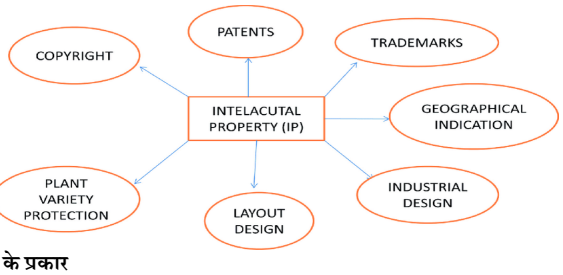

ट्रेडमार्क के प्रकार

➢ **उत्पाद चिह्न:**

- इसे वस्तुओं या उत्पादों पर उनकी उत्पत्ति की पहचान करने के लिए उपयोग किया जाता है।
- यह किसी व्यवसाय की प्रतिष्ठा बनाए रखने में मदद करता है।
- ट्रेडमार्क श्रेणी 1-34 के अंतर्गत दायर किए गए ट्रेडमार्क आवेदन वस्तुओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

➢ **सेवा संबंधी चिह्न:**

- यह उत्पादों के अलावा सेवाओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपयोग किया जाता है।
- यह अपने स्वामियों को अन्य सेवाओं के स्वामियों से अलग करता है।
- यह ट्रेडमार्क वर्ग 35-45 के अंतर्गत दायर किये गए ट्रेडमार्क आवेदन सेवाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

➢ **सामूहिक उत्पाद संबंधी चिह्न:**

- किसी सामूहिक का प्रतिनिधित्व करने वाले उत्पाद या सेवा की विशिष्ट विशेषताओं के बारे में जनता को सूचित करने के लिए उपयोग किया जाता है।
- यह किसी संघ, सार्वजनिक संस्थान या धारा 8 कंपनी द्वारा धारण किया जाता है।
- इस चिह्न के स्वामित्व वाले नियामक द्वारा निर्धारित उत्पादों के मानक इसका प्रतिनिधित्व करते हैं।
- सामूहिक उत्पाद से जुड़े अन्य लोग चिह्न का उपयोग करते समय कुछ मानकों का पालन करते हैं।

➢ **प्रमाणन चिह्न:**

- **यह** उत्पाद की उत्पत्ति, सामग्री, गुणवत्ता या स्वामी द्वारा जारी किए गए विशिष्ट विवरण को दर्शाता है।
- **यह** ग्राहकों को उत्पाद के मानक और गुणवत्ता को सुनिश्चित करता है।
- **यह** मानक परीक्षणों के माध्यम से ग्राहकों के बीच उत्पाद के मानक गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए उपयोग किया जाता है।

➢ **आकार चिह्न:**

- **यह** किसी उत्पाद के आकार की सुरक्षा करता है, जिससे वह किसी खास निर्माता से संबंधित हो जाता है।
- उदाहरणों में कोका-कोला और फैंटा की बोतलें शामिल हैं, जिनके आकार ब्रांड के साथ पहचाने जा सकने वाले विशिष्ट होते हैं।

➢ **पैटर्न चिह्न:**

- विशिष्ट डिज़ाइन किए गए पैटर्न वाले उत्पाद जो विशिष्ट कारकों के रूप में काम करते हैं; को चिन्हित करता है।
- इसके लिए पैटर्न को पंजीकृत होने के लिए विशिष्टता का प्रमाण दिखाना चाहिए।

➢ **ध्वनि चिह्न:**

- किसी विशिष्ट आपूर्तिकर्ता से उत्पन्न उत्पाद या सेवा से जुड़ी ध्वनि को विशेष बनाता है।
- ध्वनि चिह्न आसानी से उत्पाद, सेवा या शो की पहचान करते हैं।
- इसके लोकप्रिय उदाहरणों में विज्ञापनों की शुरुआत या अंत में ध्वनि लोगो शामिल हैं, जैसे कि भारत में आईपीएल की धुन।

संयुक्त रसद ओवर-द-शोर (जेएलओटीएस)

संदर्भ: *अमेरिकी सेना के जहाज, गाजा तट पर एक तैरते हुए घाट का निर्माण करने के लिए संदर्भित उपकरण लेकर वर्जीनिया से रवाना हुए, जिससे इस क्षेत्र में मानवीय सहायता पहुंचाना आसान हो गया।*

➢ **जेएलओटीएस सैन्य परियोजना:***

- जेएलओटीएस अमेरिकी रक्षा विभाग द्वारा शुरू की गई एक सैन्य परियोजना है।

➢ **उद्देश्य:**

- जेएलओटीएस का मुख्य उद्देश्य उन क्षेत्रों में सेना की रसद क्षमता को बढ़ाना है, जहां पर्याप्त निश्चित बंदरगाह सुविधाएं नहीं हैं।

➢ **परिचालन संबंधी विशेषताएं:**

- इन अभियानों में विभिन्न सैन्य शाखाओं के बीच सहयोग शामिल है।
- नौसेना वस्तुओं के परिवहन और सुरक्षा के प्रबंधन से सबंधित है, जबकि सेना या अन्य एजेंसियां बुनियादी ढांचे के निर्माण और वितरण जैसे कार्यों का प्रबंधन करती हैं।
- अन्य चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में भी, जहाजों और तट के बीच वस्तुओं को ले जाने के लिए तैरते हुए पुल और बजरे जैसे विशेष उपकरणों का उपयोग किया जाता है।

➢ **महत्व:**

- मानवीय और आपदा राहत प्रयासों के दौरान JLOTS विशेष रूप से मूल्यवान है, जो सहायता की त्वरित पहुँच को सुनिश्चित करता है।
- अमेरिकी सेना ने इससे पहले कुवैत, सोमालिया, हैती और मध्य अमेरिका में आपदा राहत मिशनों के लिए JLOTS का उपयोग किया है।

➢ **गाजा में JLOTS:**

- गाजा में इस प्रकार के फ्लोटिंग पियर के निर्माण में सीधे अमेरिकी सैन्य भागीदारी शामिल नहीं होगी।
- पूर्व सैन्य और खुफिया कर्मियों के नेतृत्व वाली एक निजी कंपनी फोगबो के साथ सहयोग से परियोजना को सुविधाजनक बनाया जाएगा।

➢ **घटक:**

- परियोजना में दो मुख्य भाग शामिल हैं: एक फ्लोटिंग डॉक और एक 548 मीटर लंबा घाट जिसमें एक पुल है।
- स्टील फ्लोटिंग डॉक को भारी माल के लिए डिज़ाइन किए गए रोल-ऑन, रोल-ऑफ जहाज द्वारा ले जाया जाएगा।
- तट से जुड़ा हुआ यह घाट, सहायता ले जाने वाले वाहनों को नरम रेत में फंसने से रोकने के लिए पुल का विस्तार करेगा।

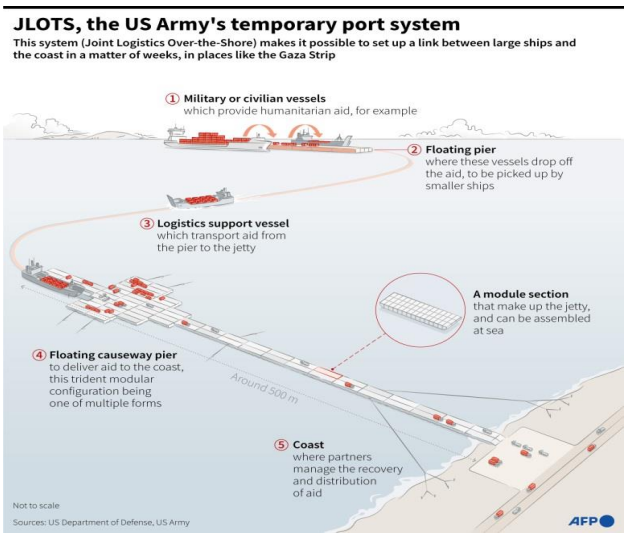

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

19March, 2024

NEWS IN BETWEEN THE LINES

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र

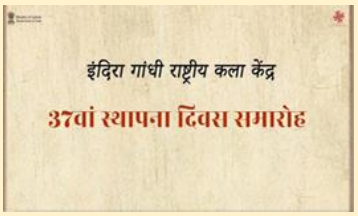

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) का 37वां स्थापना दिवस 19 मार्च, 2024 से नई दिल्ली के आईजीएनसीए परिसर में मनाया जाएगा।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के बारे में:

- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) एक राष्ट्रीय संस्थान है जो कला और संस्कृति और अध्ययन के अन्य क्षेत्रों से उनके संबंधों का अध्ययन करता है।
- इसकी स्थापना 1985 में प्रधान मंत्री राजीव गांधी द्वारा की गई थी।
- यह संस्कृति मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्थान है और कला में अनुसंधान, अकादमिक खोज और प्रसार के लिए समर्पित है।
- आईजीएनसीए रचनात्मक साहित्य, दृश्य कला, भौतिक संस्कृति, फोटोग्राफी, फिल्म और संगीत, नृत्य और थिएटर जैसी प्रदर्शन कलाओं को शामिल करते हुए विभिन्न कला रूपों की खोज करता है।
- यह शहरों की सांस्कृतिक पुनः खोज और संवर्धन के लिए गतिविधियों का आयोजन और उनमें भाग भी लेता है।

सखी ऐप

हाल ही में, तिरुवनंतपुरम के थुम्बा में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) की सुविधा विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC) ने एक SAKHI ऐप विकसित किया है।

सखी ऐप के बारे में:

- सखी (क्रू इंटरेक्शन के लिए अंतरिक्ष-जनित सहायक और नॉलेज हब) गगनयान अंतरिक्ष उड़ान मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों की सहायता के लिए विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) द्वारा विकसित एक बहुउद्देश्यीय ऐप है।
- VSSC ने SAKHI की विशेषता वाले कस्टम-निर्मित, हाथ से पकड़े जाने वाले स्मार्ट डिवाइस के इंजीनियरिंग मॉडल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।

कार्यक्षमता:

- यह अंतरिक्ष यात्रियों को मिशन के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी तक पहुंच प्रदान करता है।
- यह समन्वय और सूचना साझा करने के लिए चालक दल के सदस्यों के बीच संचार की सुविधा प्रदान करता है।
- यह मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य की स्थिति की निगरानी करता है।
- यह अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में उनके स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए उनके आहार कार्यक्रम के बारे में सचेत करता है।

मिशन समयरेखा: इसरो ने 2025 में गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन लॉन्च करने की योजना बनाई है, जिसमें अंतिम चालक दल को चार अंतरिक्ष यात्री-नामित, सभी भारतीय वायु सेना (आईएएफ) परीक्षण पायलटों में से चुना जाएगा।

प्लास्टिक रसायन

एक हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि प्लास्टिक में पहले के अनुमान से कम से कम 3,000 अधिक रसायन मौजूद हैं।

प्लास्टिक रसायन के बारे में:

- प्लास्टिक में रसायनों की एक विशाल श्रृंखला होती है, हाल के निष्कर्षों से पता चला है कि इसमें 16,000 से अधिक विभिन्न रसायन मौजूद हैं।
- ये रसायन विभिन्न प्लास्टिक उत्पादों में पाए जाते हैं, जिनमें खाद्य पैकेजिंग, खिलौने और चिकित्सा उपकरण शामिल हैं।
- इनमें से लगभग एक चौथाई रसायनों को मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए खतरनाक माना जाता है, जिससे उपभोक्ता उत्पादों में उनके व्यापक उपयोग के बारे में चिंताएँ बढ़ जाती हैं।
- प्रजनन संबंधी समस्याओं और हृदय रोगों सहित प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणाम, इन रसायनों के संपर्क से जुड़े हुए हैं।
- प्लास्टिक में बड़ी संख्या में रसायन पाए जाने के बावजूद, केवल एक छोटा सा अंश (6%) ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विनियमित है।
- प्लास्टिक प्रदूषण को व्यापक रूप से संबोधित करने की आवश्यकता की पहचान बढ़ रही है।

लिवर फ्लूक परजीवी

हाल ही में, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, रिवरसाइड के वैज्ञानिकों ने दक्षिणी कैलिफोर्निया में कोलोराडो नदी में कुत्तों को मारने वाले फ्लैटवर्म परजीवी (लिवर फ्लूक) की उपस्थिति की पुष्टि की है जिसे पहले दक्षिणपूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका तक ही सीमित माना जाता था लेकिन अब यह पश्चिमी भागों में पाया जाता है।

लिवर फ्लूक परजीवी के बारे में:

- हेटेरोबिलहार्ज़िया अमेरिकाना, जिसे लिवर फ्लूक परजीवी के रूप में भी जाना जाता है, एक चपटा कृमि है जो स्तनधारियों, विशेष रूप से कुत्तों और रैकून को संक्रमित करता है।
- कुत्ते तब संक्रमित हो जाते हैं जब वे संक्रमित घोंघे वाले मीठे पानी के आवास में जाते हैं या तैरते हैं जो परजीवी के लिए मध्यवर्ती मेजबान के रूप में कार्य करते हैं।
- परजीवी त्वचा के माध्यम से कुत्ते के शरीर में प्रवेश करता है और आंतों की परत की नसों में चला जाता है, जहां यह एक वयस्क के रूप में परिपक्व होता है और प्रजनन करता है।
- वयस्क परजीवी द्वारा दिए गए अंडे यकृत, प्लीहा और हृदय जैसे अंगों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- एच. अमेरिकाना के संक्रमण से कैनाइन शिस्टोसोमियासिस हो सकता है, जिसमें लिवर की क्षति, आंतों की समस्याएं, दुर्बलता और गंभीर मामलों में मृत्यु जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

सुर्खियों में स्थल

बुल्गारिया

हाल ही में, बुल्गारिया के राष्ट्रपति रुमेन राडेव ने अपहृत बुल्गारियाई जहाज एमवी रूएन के चालक दल को बचाने के लिए सोशल मीडिया पर भारतीय नौसेना को धन्यवाद दिया, जिसमें 7 बुल्गारियाई नागरिक शामिल थे।

बुल्गारिया (राजधानी: सोफ़िया)

अवस्थिति : बुल्गारिया दक्षिणपूर्वी यूरोप का एक देश है, जो बाल्कन प्रायद्वीप के उत्तरपूर्वी भाग में स्थित है।

राजनीतिक सीमाएँ: बुल्गारिया की सीमाएँ काला सागर (पूर्व), सर्बिया और उत्तरी मैसेडोनिया (पश्चिम), रोमानिया (उत्तर), और ग्रीस और तुर्की (दक्षिण) के साथ साझा होती हैं।

भौतिक विशेषताएं:

- बुल्गारिया का सबसे ऊँचा स्थान माउंट मुसाला है, जो दक्षिण-पश्चिमी बुल्गारिया में रीला पर्वत श्रृंखला में स्थित है।
- बुल्गारिया की प्रमुख नदियों में उत्तरी सीमा बनाने वाली डेन्यूब और दक्षिणी क्षेत्र से बहने वाली मारित्सा शामिल हैं।
- बुल्गारिया कोयला, सीसा, जस्ता, तांबा जैसे खनिज संसाधनों और चूना पत्थर, संगमरमर और जिप्सम सहित विभिन्न औद्योगिक खनिजों से समृद्ध है।

- **सदस्यता:** बुल्गारिया 2007 में यूरोपीय संघ में शामिल हो गया और 2004 में पश्चिमी संस्थानों के साथ जुड़कर नाटो का सदस्य बन गया।

POINTS TO PONDER

- हाल ही में विशाल नोक्टिस ज्वालामुखी किस ग्रह पर खोज गया ? – **मंगल**
- TRAFFIC और WWF-India की एक रिपोर्ट के अनुसार, शार्क के शरीर के अंगों के अवैध व्यापार में कौन सा राज्य शीर्ष पर है? – **तमिलनाडु**
- हाल ही में, भारतीय नौसेना ने अपना पहला स्वतंत्र मुख्यालय 'नौसेना भवन' कहाँ स्थापित किया है? – **दिल्ली**
- अटापका पक्षी अभयारण्य, जो हाल ही में समाचारों में देखा गया, किस राज्य में स्थित है? – **आंध्र प्रदेश**
- 'राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस 2024' का विषय क्या है? – **टीके सभी के लिए काम करते हैं**